

डॉ. अगस्त कोकेल, नीतिवचन, सत्र 20

© 2024 अगस्त कोकेल और टेड हिल्डेब्रांट

यह नीतिवचन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ऑगस्ट कोकेल हैं। यह सत्र संख्या 20 है, एक राजा के लिए निर्देश। नीतिवचन 31:1-9.

नीतिवचन पर एक चैट में आपका स्वागत है जिसमें हम उसके कुछ अनूठे खंडों को देख रहे हैं जिन्हें हम इसका परिशिष्ट कहते हैं।

हिजकिय्याह के लोगों के अंतिम संग्रह के बाद, हमारे पास शब्द हैं और हमारे पास कुछ संख्यात्मक बातें हैं, और फिर हमारे पास एक राजा के लिए निर्देश हैं। एक राजा के लिए इन निर्देशों के बारे में दिलचस्प बात यह है कि वे वास्तव में एक महिला से आते हैं। अब, हमने पहले ही कहा है कि नीतिवचन की पुस्तक में, पिता के साथ-साथ माँ भी शिक्षक है।

इसलिए, यह कोई बिल्कुल नया विचार नहीं है कि एक महिला को बुद्धिमान शिक्षक होना चाहिए। और निस्संदेह, बुद्धि को स्वयं एक महिला के रूप में संदर्भित किया जाता है। लेकिन कहावतों में यही एक जगह है जहां हमें औरत की पहचान का पता चलता है।

वह राजा लेमुएल की माँ हैं। और यहां हमारे पास वह उदाहरण है जहां बच्चे ने माता-पिता की बात सुनी है। इस मामले में, बेटे ने माँ की बात सुनी है, और उसने ही उसे सिखाया है।

अब वह वह ज्ञान दे रहा है जो उसने एक राजा के रूप में सीखा है, जिस तरह से उसे एक राजा बनने की आवश्यकता है, वह निर्देश जो उसे अपनी माँ से मिला था। यह छोटी सी कविता, हालाँकि यह बहुत छोटी है, यहाँ इन कुछ कहावतों में प्राचीन समानताएँ हैं। इसलिए, यदि हम मिस्र के लेखन, जैसे कि मारी-का-रे या अमेनेमोप, पर जाएं, तो हम इन राजकुमारों, दरबार के लोगों से निपट रहे हैं, जिन्हें निर्देश दिया गया था कि उन्हें कैसे रहना चाहिए।

अब, ये राजा लेमुएल के शब्द हैं, जो मस्सा के राजा हैं। हम मस्सा को ऐतिहासिक रूप से पहचान सकते हैं। यह अरब प्रायद्वीप की एक उत्तरी जनजाति है।

अरब प्रायद्वीप का उल्लेख बड़े पैमाने पर बाइबिल के इतिहास में नहीं मिलता है। बेशक, हम शीबा की रानी के बारे में जानते हैं, जो अरब में कहीं से आई थी। लेकिन वास्तव में, अगर हम निर्गमन पर वापस जाते हैं, तो हम पाते हैं कि इस्राएलियों और एदोमियों और उत्तरी अरब के अन्य लोगों के बीच काफी बातचीत हुई थी, उस पूरे समय के दौरान जब इज़राइल प्रवासन में था और जब इज़राइल प्रवासन में था। भूमि में अपना स्थान और अपनी स्थिति स्थापित करना।

इसलिए, यह अजीब या विदेशी नहीं है कि अरब प्रायद्वीप के उत्तरी हिस्से में रहने वाले किसी व्यक्ति से राजा के साथ बातचीत होनी चाहिए। हम वास्तव में इसकी भाषा के बारे में कुछ न कुछ जानते हैं। जिसे हम नॉर्थवेस्ट सेमिटिक कहते हैं, उसमें अनेक भाषाएँ हैं।

हिब्रू उनमें से है, लेकिन अरामी उनमें से है। कनानी भाषा की बोलियाँ उनमें से एक हैं। मोआबाइट भाषा उनमें से एक है, और उदाहरण के लिए, हम इसे मोआबाइट स्तेल से जानते हैं।

और फिर एक उत्कीर्णन है जिसे हम दीर अल-लाह उत्कीर्णन कहते हैं, जो कुछ हद तक अरामी और जिसे हम हिब्रू के रूप में जानते हैं, का मिश्रण है। और ये भाषा उस पूरी श्रेणी में है। अब, वास्तव में, कनान की सेमेटिक भाषाओं और अधिक अरामी भाषाओं के बीच कुछ काफी तीव्र अंतर हैं।

कुछ विशेषताएं जो हम हिब्रू में देखते हैं, वे वास्तव में स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं कि हिब्रू, अपनी भाषा और भाषाविज्ञान में, एदोम और मोआब के क्षेत्र से कनान में चले गए क्योंकि उनकी भाषा उन विशेषताओं को धोखा देती है जो बोली के उस क्षेत्र से आती हैं। और यह प्राचीन शिलालेखों के सबसे विशेषज्ञ विश्लेषकों में से एक द्वारा बहुत स्पष्ट रूप से दिखाया गया है, जिनका हाल ही में निधन हो गया। उसका नाम एंसन रेनी है।

लेकिन उन्होंने कई लेखों में यह बात कही। बाइबिल आधारित हिब्रू में मौजूद कुछ विशेषताओं को तब समझाया और समझा जा सकता है जब हम इन भाषाओं के बीच के संबंध को बेहतर ढंग से जानते हैं। तो, हमारे पास यहाँ नीतिवचन का एक छोटा सा अंश है जिसमें आत्मीयता है।

और जिन तरीकों से हम इसे जानते हैं उनमें से एक वह तरीका है जिससे माँ अपने बेटे को संबोधित करती है। मा ब्रि , मा ब्रि बीटीएनआई , मा बार एन'दवई , मा बार एन'दवई । क्या? मेरा बेटा, बार.

अब, सामान्य हिब्रू में बेटे के लिए शब्द बेन है। आधुनिक हिब्रू में बेटे के लिए शब्द b'ar है । और ऐसा इसलिए है क्योंकि आधुनिक हिब्रू को पेश किया गया है, यह कुछ हद तक अरामी भाषा से प्रभावित है।

तो, यह वह तरीका होगा जिससे आधुनिक इब्री इसे कहते हैं। तो, आप बार मिट्ज्वा के बारे में बात करते हैं। तुम आज्ञा के पुत्र बनो।

अब, हम परिचित हैं कि बार मिट्ज्वा एक बड़ी पार्टी है। और बहुत सारे यहूदी इसे इसी तरह समझते हैं। और यदि आप एक लड़की हैं, तो आपके पास बैट मिट्ज्वा है।

और मेरी एक भतीजी है जिसके पास बैट मिट्ज्वा है क्योंकि उसकी माँ बहुत ही यहूदी है। और इसलिए, यह लगभग 13 या 14 साल की उम्र में होता है। और इसका मतलब यह माना जाता है कि आप इस टोरा के बारे में कुछ सीखते हैं।

और आप कह रहे हैं कि यह टोरा ही मेरे जीवन के मूल्य को नियंत्रित करेगा। मेरे भाई, जिसका हिब्रू से कोई संबंध नहीं है, जिसने इस यहूदी महिला से शादी की है, ने सभी सही उच्चारणों के साथ व्यवस्थाविवरण से हिब्रू में एक काफी महत्वपूर्ण मार्ग को पूरी तरह याद कर लिया है। और मैंने उससे कहा, ठीक है, स्टेन, तुमने बहुत अच्छी शुरुआत की है।

आप मुझे आगे बढ़ने में मदद क्यों नहीं करने देते? और आप हिब्रू बाइबिल पढ़ने आएंगे। और उन्होंने कहा, बिल्कुल नहीं। मैं हिब्रू का हर शब्दांश जानता हूँ जिसे मैं जानना चाहता हूँ।

और यह केवल इसलिए है क्योंकि मुझे ऐसा करना होगा। यह सब कहना थोड़ा अलग है कि यह परिच्छेद उत्तरी सेमेटिक भाषाओं, अरामी और हिब्रू के बीच इस आदान-प्रदान को दर्शाता है। तो यहां हिब्रू बाइबिल में, हमारे पास एक बैट मिट्ज्वा, बैट मिट्ज्वा, एक बैट मिट्ज्वा, मेरे गर्भ का पुत्र, मेरी प्रतिज्ञा का पुत्र है।

तो, यह शिक्षण वास्तव में काफी तार्किक रूप से रखा गया है। इस परिच्छेद में हमारे पास जो वास्तविक शब्द हैं वे एक महिला के हैं। वहाँ राजा को जो शिक्षा दी जाती थी।

फिर हम बेटे के पते पर आते हैं, जो थोड़ा रहस्यमय है। मैं इसे पहले ही आपको पढ़ चुका हूँ, और यह शब्द या शब्द से शुरू होता है क्या, मेरा बेटा क्या है, मेरी कोख का बेटा क्या है, मेरी प्रतिज्ञाओं का बेटा क्या है। इसके महत्व के बारे में यह काफी रहस्यमय रहा है।

निःसंदेह, यह एक प्रकार का ठहराव बनाता है, जिसका आगे की पढ़ाई पर प्रभाव पड़ता है। आप एक माँ को अपने बेटे को पढ़ाते हुए सुन सकते हैं, आप जानते हैं, यह क्या है जो आपको जानना आवश्यक है? तुम मेरे बेटे हो। आप ही मेरी प्रतिज्ञा पूरी करने वाले हैं।

तो शायद हन्ना की तरह ही, इस माँ ने भी इस बच्चे को भगवान को समर्पित करने का संकल्प लिया था। ऐसा तो नहीं कहते, लेकिन कुछ अर्थों में, माँ ने इस बेटे के संबंध में एक प्रतिबद्धता जताई थी। और इसलिए, वहाँ क्या, क्या, क्या है।

इसका क्या मतलब हो सकता है, इसके बारे में कई सुझाव दिए गए हैं, लेकिन मुझे लगता है कि एक तरीका है जिससे माताओं को अक्सर अपने बच्चों से यही कहना पड़ता है। नहीं, नहीं, नहीं। ऐसा क्यों है कि बच्चों के रूप में, यह हमारी, हमारी आदत है कि हम जान-बूझकर अपनी माँओं की परीक्षा लेते हैं, अनजाने में अपनी माँओं की परीक्षा लेते हैं, किसी न किसी तरह, हमेशा वो काम करते रहते हैं जो हमारी माँएँ स्वीकार नहीं कर सकतीं, और उन्हें कहना पड़ता है नहीं।

मुझे स्वयं इसे कई बार सुनना याद है। मुझे याद है कि मुझे अक्सर यह पसंद नहीं आता था। अब, वास्तव में 'नहीं' का क्या मतलब है? मुझे लगता है कि यह हो सकता है।

मुझे लगता है कि यह अंग्रेजी भाषा में हो सकता है। हम कभी-कभी कहते हैं कि आपने क्या किया? दूसरे शब्दों में, क्या? यह नकारात्मक है। ऐसा नहीं हो सकता।

यह बिल्कुल सच नहीं है। और, और इसलिए मैं इस अंश में लगभग सुन सकता हूँ, माँ अपने बेटे से कह रही है, तुमने क्या किया? क्या, मेरे बेटे? आखिर यह है क्या? किसी भी मामले में, इसका सामान्य अर्थ बिल्कुल स्पष्ट है कि यह माँ जो कहना चाह रही है उसे तीव्र करती है, और उसे जो कहना है वह नकारात्मक है। सभी युवाओं, विशेषकर सभी युवाओं के लिए सबसे बड़ा प्रलोभन क्या है? शराब, महिलाएँ, और गीत।

और यदि आप ऊँचे स्थानों पर हैं, और वे दरबार वगैरह में हैं, जहाँ हरम बहुत अधिक उपलब्ध है, और जहाँ शराब लगातार उपलब्ध है, और जब वहाँ हर तरह का प्रावधान और विलासिता है, तो निश्चित रूप से, यह है पतनशील न होना, और व्यभिचारी जीवन में न फँसना कहीं अधिक कठिन है। निःसंदेह, बाइबल में और अन्यथा ऐसे बहुत से उदाहरण हैं, जहाँ इस प्रकार का दुराचार हुआ। परन्तु राजाओं को नशे से दूर रहना चाहिए, और व्यभिचार से भी दूर रहना चाहिए।

वे विशेषाधिकार प्राप्त नहीं हैं। और नशे के अभिशाप, जिसके बारे में हमने बहुत स्पष्टता से बात की है, और व्यभिचार के अभिशाप, जिसके बारे में हमने काफी खुले तौर पर बात की है, जो कोई भी उनका अभ्यास करेगा, चाहे आप राजा हों या नहीं, उस पर आ पड़ेंगे। राजा न्यायाधीश होते हैं।

राजा कानून बनाते हैं। अब, आप इसे बाइबल में विभिन्न तरीकों से चित्रित देखते हैं। आइए उदाहरण के तौर पर डेविड को लें।

हममें से अधिकांश लोग दाऊद के पाप की कहानी जानते हैं जो उसने बथशेबा के साथ किया था, जब उसका सैनिक युद्ध में था तब उसने अपने सबसे महान सैनिकों में से एक की पत्नी के साथ यौन संबंध बनाए। और फिर, इस सब को और अधिक उचित बनाने के लिए, कम से कम जिस तरह से राजा इसे छिपाना चाहता था, सैनिक को इस तरह से तैनात किया गया था कि वह मर जाए, जिससे डेविड को अपनी पत्नी से शादी करने की आजादी मिल गई। और यह नीतिवचन के उन अच्छे उदाहरणों में से एक है, जहाँ, आप जानते हैं, आप ये योजनाएँ बनाते हैं, और ये योजनाएँ आपके घर आकर आपको काटने वाली हैं।

खैर, डेविड के मामले में, यह काफी आश्चर्यजनक तरीके से हुआ, क्योंकि एक दिन भविष्यवक्ता उसके पास आया, और उसने कहा, मेरे पास तुम्हारे लिए एक मामला है। वहाँ एक अमीर आदमी है, और उसके पास सभी प्रकार की भेड़ें और झुंड हैं, और वह एक अतिथि का स्वागत करता है। अब, प्राचीन काल में, आतिथ्य सत्कार महत्वपूर्ण था।

यह पुराने नियम में ही कई बार दिखाई देता है। लेकिन आतिथ्य सत्कार न करना सभी अच्छी व्यवस्था के विरुद्ध एक हिंसक अपराध था। इसलिए, अमीर आदमी अपने मेहमान का सत्कार करने के लिए बाध्य है और ऐसा करने के लिए, आपको अपने मेमनों में से एक को मारना होगा और भोजन बनाना होगा।

लेकिन अमीर आदमी यह पता नहीं लगा सका, आप जानते हैं, वह अपने मेमनों में से किसको बचाना चाहता था। और इसलिए, उसने अपने पड़ोसी के चारों ओर देखना शुरू किया, और उसका एक बहुत गरीब पड़ोसी था जिसके पास एक छोटा मेमना था। और वह इसे एक बच्चे की तरह प्यार करता था, और वह इस छोटे मेमने को पाल रहा था।

और अमीर आदमी ने उस छोटे मेमने को ले लिया, उसे चुरा लिया क्योंकि वह शक्तिशाली था, और उसने उसे मार डाला, और अपने मेहमान को परोस दिया। अब, राजा डेविड, आप न्यायाधीश हैं। क्या किया जाए? और निस्संदेह, राजा डेविड क्रोधित है।

और वह कहता है, ठीक है, इस आदमी को मर जाना चाहिए। अब, क़ानून ने ऐसा नहीं कहा है। क़ानून ने यह नहीं कहा कि उसे मरना चाहिए।

यह कोई जानलेवा सज़ा नहीं है। लेकिन राजा निश्चित रूप से पूछता है कि न्याय ठीक से किया जाएगा। और राजा कहता है, वह चार गुना भुगतान करेगा, न कि केवल नुकसान और मेमने के नुकसान का।

नहीं, वह इससे अधिक भुगतान करेगा। यह बिल्कुल अपमानजनक है। मैं राजा हूँ, मैं न्यायाधीश हूँ।

और फिर, निस्संदेह, नाथन कहते हैं, ठीक है, आप जानते हैं, वास्तव में, मैं आपके बारे में बात कर रहा हूँ। और तभी पैसा गिरता है, जैसा कि हम कभी-कभी अपनी अंग्रेज़ी अभिव्यक्ति में कहते हैं। तभी अचानक डेविड को संदेश मिलता है कि उसने एक वफ़ादार सैनिक की पत्नी को ले जाकर क्या किया है, जबकि वह अपने सभी विशेषाधिकारों के साथ राजा है।

राजा क़ानून बनाते हैं, वे न्याय करते हैं, और उन्हें याद रखने की जरूरत है। डेविड को ठीक से याद नहीं था। लेकिन यह उससे थोड़ा अधिक विशिष्ट है।

आप जानते हैं, यदि कोई न्यायाधीश कोई निर्णय लेता है, तो बेहतर होगा कि वह अपने निर्णय को याद रखे और उससे पीछे न हटे। अब, यदि वास्तव में आपको थोड़ी अधिक शराब दी जाए, तो यह एक समस्या बन सकती है क्योंकि कभी-कभी शराब याददाश्त के व्यायाम में थोड़ी बाधा बनती है। और राजा को शायद वह निर्णय याद न रहे जो उसने पिछली बार किया था।

तो माँ अपने बेटे को सावधान कर रही है कि सुन ले, राजाओं के लिए हर वक्त सतर्कता जरूरी होती है। आपको संयमित रहना होगा। यही एकमात्र तरीका है।

अब, क्या शराब बुरी है? अच्छा नहीं। यह भगवान के अच्छे उपहारों में से एक है। यह बेल का फल है।

मैं बीयर प्रेमी नहीं हूँ। अजीब बात। मेरी पृष्ठभूमि जर्मन है, लेकिन मैं बैपटिस्ट भी हूँ, और इसलिए बैपटिस्ट शराब नहीं पीते थे।

इसलिए, मैंने बीयर पीना कभी नहीं सीखा, और बीयर से मुझे हमेशा घृणा होती थी। और इसलिए, जर्मन यह नहीं समझ सकते कि मैं बीयर नहीं पीना चाहता। लेकिन लड़के, जब मेज पर बीफ़स्टीक या ऐसा कुछ हो तो आप मुझे शराब के अच्छे गिलास से दूर नहीं रख सकते।

शराब वास्तव में भगवान का उपहार है। और माँ यहाँ कहती है, हाँ, कभी-कभी शराब शामक होती है। अब, शराब एक शामक औषधि है, यह वह शराब नहीं है जो आपको मदहोश कर देती है।

कभी-कभी शराब आपको थोड़ा आराम दिलाने में मदद करती है। अब, अपना दिमाग पूरी तरह से खो देने की कोशिश से आपको आराम नहीं मिलता। नहीं, आपको यह याद करके तसल्ली मिलती है कि जीवन में छोटे-छोटे अच्छे उपहार भी होते हैं।

शराब कार्यकर्ता को शांत कर सकती है। नशा हमेशा बहुत, बहुत बुरा होता है। लेकिन शराब का उचित उपयोग, नहीं, यह इतनी बुरी बात नहीं है।

तो, माँ फिर राजाओं के पास चली जाती है। राजाओं को अपना मुँह कैसे चलाना चाहिए? खैर, नशे में नहीं होना है। नहीं, बल्कि बोलने के लिए, उन लोगों के लिए बोलने के लिए जो अपने लिए नहीं बोल सकते।

राजाओं को अपना मुँह कैसे चलाना चाहिए? गरीबों की ओर से निर्णय लेना, उनकी रक्षा करना और न्यायसंगत निर्णय प्रदान करना, क्योंकि गरीब और जरूरतमंद राजा की देखभाल की विशेष वस्तुएं हैं। तो, यहाँ माँ उस व्यक्ति को बहुत ही बुद्धिमान सलाह दे रही है जो जिम्मेदार बनना चाहता है और शासक बनना चाहता है। हर समय सतर्क, अनुशासन और आत्मसंयम।

इसका मतलब यह नहीं कि एक प्रकार की तपस्या है। यह पुराने नियम के शब्दों में नाज़ीर होने जैसा नहीं है। यह वह नहीं है जिसके बारे में बात हो रही है।

बल्कि, यह एक राजा की उचित भूमिका और कार्य को जानने के बारे में है, जो यह सुनिश्चित करना है कि वह ज्यादातियों से दूर रहे और लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी पर अपना ध्यान केंद्रित रखे। मुझे लगता है कि नेतृत्व और विशेष रूप से राजनीतिक नेतृत्व, यहां तक कि राजनीतिक नेतृत्व, जैसा कि हम अपने चारों ओर देखते हैं, के बारे में सबसे दुखद बात यह है कि नेता स्वयं-सेवारत होते हैं। नेता वहां उस प्रमुखता के लिए हैं जो उन्हें मिलती है और उन्हें लगता है कि इससे उन्हें सम्मान और प्रतिष्ठा मिलती है।

और नेता वास्तव में उन लोगों की परवाह नहीं करते जिनका उन्हें नेतृत्व करना चाहिए। यहां तक कि लोकतंत्र के एक नागरिक के रूप में, मुझे यह कहना होगा कि हमारे कई नेताओं के साथ कई बार, मैं पूर्ण विश्वास खो देता हूँ कि वे मेरी परवाह कर सकते हैं, मेरे साथ क्या होता है, और उनके फैसले मुझे कैसे प्रभावित करते हैं। यह उनके लिए चिंता का विषय नहीं है।

वे या तो इस बात को लेकर चिंतित हैं कि वे दोबारा कैसे चुने जाएं या उन्हें किसी तरह का दर्जा या कुछ और कैसे मिले। यह एक अच्छा अनुस्मारक है, नेतृत्व में हम सभी के लिए एक अच्छा अनुस्मारक है, और हमारे पास जो भी नेतृत्व है, उन लोगों की भलाई के लिए आपकी जिम्मेदारी है जिनका आप नेतृत्व करते हैं। और बेहतर होगा कि आप इसे केवल अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए अतिरेक के रूप में उपयोग न करें।

यह नीतिवचन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ऑगस्ट कोकेल हैं। यह सत्र संख्या 20 है, एक राजा के लिए निर्देश। नीतिवचन 31:1-9.